रेलवे उपमंत्री (श्री एस० वी० रामस्वामी): (क) जी हां, सर्वे किया गया और मिट्टी डालने का काम सन् १९०० में शुरू हुआ था।

(ख) मिट्टी डालने के काम पर लगभग ६.२५ लाख रुपये खर्च हुए थे और लग भग ६८ मील रास्ते पर मिट्टी डाली गई थी।

(ग) कारणों का ठीक-ठीक पता नहीं है, लेकिन सम्भवतः उन दिनों की आर्थिक कठिनाइयों के कारण यह योजना छोड़ दी गयी।

(घ) जी नहीं।

Shri S. V. Ramaswamy: (a) Yes, Sir, survey was conducted and earth-work started during the year 1900.

(b) Cost of the earth-work was approximately Rs. 6·25 lakhs and it was done over about 68 miles.

(c) Reasons are not exactly known, but in all probability this scheme was given up due to the financial stringency prevailing during those days.

(d) No.

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : क्या यह सत्य है कि यह जो रेलवे लाइन राजस्थान के इस भाग में बिछाई जा रही है, वहां पर मिट्टी पड़ने का काम लगभग पूरा हो चुका है और अब बहुत थोड़े परिश्रम से उस काम को पूरा किया जा सकता है, लेकिन अब रेलवे मंत्रालय ने उस लाइन को बदल कर दूसरे स्थान पर लाइन डालने का निश्चय किया है और यदि ऐसा है, तो उसका क्या कारण है ?

Shri S. V. Ramaswamy: Sir, it is not true to say that the earth work was done throughout the entire line. The length is 157 miles. The earth work was done only up to 68 miles. Probably it was done as a famine relief measure. We are giving it up because there is no financial justification for this.

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : मैं यह जानना चाहता हूं कि जब सरकार का इतना रुपया उस पर व्यय हो चुका है और देवलाड-कोटा रेलवे लाइन पर राजस्थान का वह भाग भी पड़ता है, जो यातायात की दृष्टि से पर्याप्त पिछड़ा हुआ है और इसके ऊपर बड़े नगर तथा गांव भी अधिक आ जायेंगे, तो फिर क्यों सरकार ने इस रेलवे लाइन को योजना का विषय नहीं बनाया है।

Shri S. V. Ramaswamy: Sir, this was done by the ex-Jodhpur State Government in about the year 1900. We wanted the survey to be done in 1946. Again a revised estimate was made in 1955. The cost for B.G. was Rs. 4·38 crores and Rs. 2·8 crores for M.G. in 1946. But in 1958 the assessment was Rs. 8·78 crores for B.G. and Rs. 5·77 crores for M.G. The return is only ·046 per cent in respect of B.G. and 1·18 per cent. for M.G. Therefore, it is not financially justified.

Derailment near Igatpuri

*1330. **Shri Raghunath Singh:** Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that 15 bogies of the Bhusawal bound goods train were derailed between Asvali and Padali railway stations near Igatpuri on the 18th June, 1959 involving a loss of nearly rupees one lakh; and

(b) if so, the causes of the derailment?

The Deputy Minister of Railways (Shri S. V. Ramaswamy): (a) Yes; but the damage to the railway property was approximately Rs. 55,000.

(b) The cause of the derailment is being studied.

Shri Raghunath Singh: May I know the reasons of the derailment, and whether it is a fact that cases of derailment are increasing?

Mr. Deputy-Speaker: He said that the causes are being studied.

Shri Braj Raj Singh: Are they not being investigated?

Shri S. V. Ramaswamy: They are being investigated and are under study.

Shri Raghunath Singh: Nearly four months have passed. May I know the reasons for the delay in the enquiry and investigation about this derailment?

Shri S. V. Ramaswamy: Four months might have passed. We are studying the whole thing We cannot rush through the thing.

Shri Hem Barua: The fact that the hon. Deputy Minister has said that the causes are being studied, means that the causes do exist to the knowledge of the Deputy Minister and they are now being studied? May I know what are those causes that are under study?

Shri S. V. Ramaswamy: The cause is pilferage of the brass bearing of the travelling water tank next to the engine.

Shri Subiman Ghose: May I know whether any accident bulletin was issued fixing responsibility on any person or employee for this derailment.

Shri S. V. Ramaswamy: The fixation of responsibility is under consideration.

Shri Tangamani: May I know whether this accident took place in a place very near to the place where the major accident to the Calcutta Mail took place about a year ago?

Shri S. V. Ramaswamy: That took place on 23rd November 1957. It is somewhere near that place.

Shri T. B. Vittal Rao: May I know whether this accident was at the very spot where the major accident happened?

Mr. Deputy-Speaker: He has answered that.

उटकमण्ड में महापौरों का सम्मेलन

+

*१३२१. { श्री वाजपेयी :
श्री आसर :

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नगर निगमों के महापौरो का एक अखिल भारतीय सम्मेलन हाल में ही उटकमण्ड में सम्पन्न हुआ;

(ख) यदि हा, तो इस सम्मेलन का प्रयोजन क्या था और इसमे किन किन विषयो पर विचार किया गया; और

(ग) क्या इस प्रकार के सम्मेलनो का आयोजन प्रतिवर्ष करने का विचार है ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री करमरकर) : (क) जी हा।

(ख) यह सम्मेलन निगमो द्वारा अनुभव की जाने वाली कठिनाइयो पर विचार करने तथा उनको दूर करने के उपाय सुझाने के लिये आयोजित किया गया था।

इस सम्मेलन के कार्यक्रम की एक प्रति सभा की मेज पर रख दी गई है। [देखिये परिशिष्ट ४ अनुबन्ध संख्या ६२]

(ग) जी हा। महापौरो का आम मत यह था कि महापौर-सम्मेलन प्रति वर्ष आयोजित किया जाए।

श्री वाजपेयी : क्या इस सम्मेलन में कोई औपचारिक निर्णय किये गये और क्या उन निर्णयो को कार्यान्वित करने के लिये कोई व्यवस्था की गई है ?

श्री करमरकर : हा, निर्णय तो हो चुके। उनके बारे में सोच-विचार चल रहा है।

श्री वाजपेयी : विषय सूची में एक विषय यह भी था कि नगर निगमो के आर्थिक साधनो में किस तरह से वृद्धि की जाए। मैं जानना चाहता हु कि क्या इस सम्मेलन में